M.A. - I (Pali & Prakrit) NEP Pattern Semester-II

219 Major - Suttapitake Cha Vinaypitake (Majzimanikayo cha Chullavaggo)

P. Pages : 3 | **GUG/S/24/15309**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 2 6 9 7 *

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना आवश्यक है।

2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहावीत.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तेन खो पन समयेन आयस्मा नन्दो भगवतो भाता मातुच्छापुत्तो सम्बहुलानं भिक्खूनं एवमारोचेति - "अनभिरतो अहं आवुसो ब्रम्हचरियं चरामि, न सक्कोमि ब्रम्हचरियं सन्धारेतुं सिक्खं पच्चक्खाय हीनायावत्तिस्सामी' ति।

अथ खो अञ्ञतरो भिक्खु येन भगवा तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो सो भिक्खु भगवन्तं एतदवोच - आयस्मा भन्ते नन्दो भगवतो भाता मातुच्छापुत्तो सम्बहुलानं भिक्खूनं एवमारोचेति - अनभिरतो अहं आवुसो ब्रम्हचरियं चरामि न सक्कोमि ब्रम्हचरियं सन्धारेतुं सिक्खं पच्चक्खाय हीनायावयत्तिस्सामी" ति।

अथ खो भगवा अञ्ञतरं भिक्खुं आमन्तेसि - एहि त्वं भिक्खु मम वचनेन नन्दं भिक्खु आमन्तेहि - सत्था तं आवुसो नन्द आमन्तेति" ति।

OR / अथवा

एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तेन खो पन समयेन यसोजप्पमुखानि पञ्चमत्तानि भिक्खु सतानि सावत्थिं अनुप्पत्तानि होन्ति भगवन्तं दस्सनाय। तेन खो आगन्तुका भिक्खू नेवासिकेही भिक्खूहि सध्दिपटि सम्मोदमाना सेनासनानि पञ्ञापयमाना पत्तचविरानि पटिसामयमाना उच्चासद्दा महासद्दा अहेसुं। अथ खो भगवा आयस्मतं आनन्दं आमन्तेसि - के पनेते आनन्द उच्चासद्दा महासद्दा केवट्टो मञ्ञे मच्छविलोपे "ति? एतानि भन्ते यसोजप्पमुखानि पञ्चमत्तानि भिक्खुसतानि सावत्थिं अनुप्पत्तानि भगवन्तं दस्सनाय। तेते आगन्तुका भिक्खू नेवासिकेही भिक्खूहि सध्दिं पटिसम्मोदमाना सेनासनानि, पञ्ञापयमाना पत्तचविरानि पटिसामयमाना उच्चासद्दा महासद्दा" ति। "तेनहानन्द मम वचनेन ते भिक्खू आमन्तेहि - सत्था आयस्मन्ते आमन्तेती" ति।

2. मज्झिमनिकायाचे तिपिटक साहित्यातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा. **16**
मज्झिमनिकाय का तिपिटक साहित्य में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

सुभसुत्तं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
सुभसुत्तं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) तज्जनीयकम्मं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
तज्जनीयकम्मं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

ब) धम्मकम्मव्दादसकं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
धम्मकम्मव्दादसकं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

क) आकङ्खमानछक्कं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
आकङ्खमानछक्कं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) पटिसारणीयकम्मं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
पटिसारणीयकम्मं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

ब) तेचत्तालीसवत्तं चे विनयपिटकातील महत्त्व स्पष्ट करा.
तेचत्तालीसवत्तं का विनयपिटक ग्रंथ में महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

क) नप्पटिप्पस्सम्भेतब्बतेचत्तालीसकं चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
नप्पटिप्पस्सम्भेतब्बतेचत्तालीसकं का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**
टीप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) मेघिय सुत्तं
2) अभयराजकुमारसुत्तं
3) अधम्मकम्मव्दादसकं
4) आकङखमानचतुक्कं

ब) रिकाम्या जागा भरा. **4**
रिक्त स्थान की पूर्ती कीजिए।

1) सुप्पवासासुत्तं -------- ग्रंथातील आहे.
सुप्पवासासुत्तं --------- ग्रंथ में है।
अ) धम्मपदं
ब) इतिवुत्तक
क) सुत्तनिपात
ड) उदान

2) मज्झिमनिकाय ग्रंथात ------- सुत्तं आहे.
मज्झिमनिकाय ग्रंथ में -------- सुत्तं है।

अ) पण्डितवग्गो
ब) अभयराजकुमारसुत्तं
क) धम्मट्ठवग्गो
ड) भिक्खुवग्गो

3) विनयपिटक ग्रंथाचा -------- एक भाग आहे.
विनयपिटक ग्रंथ का -------- एक भाग है।

अ) अंगुत्तरनिकाय
ब) हीनयान
क) चुल्लपग्गपालि
ड) महायान

4) सुत्तपिटक हा -------- साहित्याचा एक भाग आहे.
सुत्तपिटक यह ------- साहित्य का एक भाग है।

अ) तिपिटक
ब) संत
क) लोकसाहित्य
ड) अनुपिटक

****